

लद्दाख में नमिम्-पदम-दारचा मार्ग

स्रोत: पी.आई.बी

हाल ही में सीमा सड़क संगठन (BRO) ने लद्दाख में रणनीतिक नमिम्-पदम-दारचा मार्ग को जोड़कर एक महत्त्वपूर्ण उपलब्धि हासिल की है।

- यह मार्ग कारगलि-लेह राजमार्ग के साथ दारचा और नमिम् से गुजरते हुए मनाली तथा लेह के बीच एक महत्त्वपूर्ण लकि के रूप में करेगा।
- यह मार्ग अब मौजूदा मनाली-लेह और श्रीनगर-लेह मार्गों के साथ-साथ लद्दाख को भीतरी इलाकों से जोड़ने वाली तीसरी धुरी के रूप में कार्य करेगा।
- यह सड़क अन्य मार्गों की तुलना में कम दूरी के कारण रणनीतिक महत्त्व रखती है। यह लद्दाख क्षेत्र को प्रत्येक मौसम में कनेक्टिविटी प्रदान करेगा।
- यह केवल एक दर्रे यानी **16,558 फीट** की ऊँचाई पर शकिन ला को पार करता है, जहाँ बीआरओ की देखरेख में सुरंग का काम शुरू होने वाला है।
- सड़क के पूरा होने से न केवल रक्षा तैयारी मज़बूत होगी, बल्कि जांसकर घाटी में आर्थिक विकास में भी योगदान मल्लिगा।
- बीआरओ की कल्पना और स्थापना वर्ष **1960** में पंडित जवाहरलाल नेहरू द्वारा देश के उत्तर तथा उत्तर पूर्वी सीमा क्षेत्रों में सड़कों के नेटवर्क के त्वरित विकास के समन्वय के लिये की गई थी।
 - यह रक्षा मंत्रालय के प्रशासनिक नियंत्रण में काम करता है।





//

और पढ़ें: [वाइब्रेंट वलिय प्रोग्राम, बीआरओ ने रोहतांग दर्रा, जोजी ला, लद्दाख का महत्त्व।](#)

PDF Refernece URL: <https://www.drishtias.com/hindi/printpdf/nimmo-padam-darcha-road-in-ladakh>